CHETANA
INTERNATIONAL JOURNAL OF EDUCATION (CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
(ISSN: 2455-8729 (E) / 2231-3613 (P))
Impact Factor
SJIF 2023 - 7.286

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संकल्पपूर्ति में शिक्षकों के सशक्तिकरण एवं भूमिका

डॉ. नरेन्द्र कुमार पाल
सहायक आचार्य
महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), वर्धा
ईमेल: drnavisnsir@yahoo.in, *मोबाईल: 9265032070,*
डॉ. चित्रा पाल
सहायक आचार्य
चौधरी एम.एड.कॉलेज, गांधीनगर, गुजरात
ईमेल: drchitrapalsingh@yahoo.com, *मोबाईल:* 6396591577

First draft received: 30.01.2024, Reviewed: 08.02.2024, Final proof received: 17.02.2024, Accepted: 15.03.2024

सार-संक्षेप

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नए भारत की संकल्पना को पूर्ण करने में सीखने की समग्र प्रक्रिया में समग्र, समेकित, समावेशी, सुखद और रोचकता के साथ 21वीं शताब्दी के अनुरूप विवेचनात्मक सोच, राष्ट्रीय भावना से परिपूर्ण, रचनात्मक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संचार, सहयोग, बहुभाषा के ज्ञान से समृद्ध, समस्या समाधान कौशल्य का विकास, नैतिकता, सामाजिक दायित्व से युक्त, डिजिटल साक्षरता जैसे समग्र ज्ञानात्मक पक्षों पर विस्तृत विचार करके विकसित करने का श्रेष्ठ अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखता है । भारतीय परिपेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर देश के युवाओं को उज्ज्वल भविष एवं नए भारत में उत्तम योगदान देने हेतु श्रेष्ठ ज्ञान का अवसर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से प्रदान करना है । इसलिए यह आवश्यक हो रहा है की, निर्धारित समयसीमा वर्ष 2030 तक यह सकारात्मक परिणाम दे सके । इस कार्य के लिए शिक्षकों का योगदान मिल का पत्थर साबित होने वाला है । वास्तविकता के साथ इस नीति को धरातल पर लागू करना शिक्षकों के लिए एक अवसर एवं चुनौती भी है । इसीलिए शिक्षकों का सशक्तिकरण एवं अनेक दायित्वों एवं भूमिकाओं के साथ क्षमताओं का विकास करना प्रथम चरण है । प्रस्तुत शोध आलेख द्वारा शिक्षकों को सशक्तिकरण की आवश्यकता एवं भविष्य में आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखकर महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रकाशित करने का प्रयास किया गया है ।

मुख्य-शब्द : *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षकों का सशक्तिकरण, शिक्षकों की भूमिका आदि .*

परिचय

समानता, सुलभता और सामर्थ्य के सिद्धांतों पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 का लक्ष्य शिक्षा के कई क्षेत्रों में वृहद बदलाव करने का है। शिक्षा के स्तरों में सुधार करना, नई शिक्षा नीतियों को प्रोत्साहित एवम् लागू करने, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के बीच संगठन को मजबूत करने की योजना है। यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली को मौलिक रूप से पुनर्विचार करने का श्रेष्ठ अवसर एवं प्रयास है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 एक महत्वपूर्ण कदम है जो भारतीय शिक्षा प्रणाली को नई दिशा में ले जाने का उद्देश्य रखती है। यह नीति 34 साल बाद, 1986 में आए पूर्व शिक्षा नीति के बाद आई है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत को एक विश्वस्तरीय शिक्षा प्रणाली में बदलने का है, जो अद्वितीय, आधुनिक और उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करें ।

NEP 2020 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक परिवर्तन और सुधार की बात की है। इसमें शिक्षा के स्तर को उन्नति के पथ पर ले जाने, अनुकूल, समर्थक और समर्पित नागरिकों का निर्माण करने, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने, और शिक्षा के क्षेत्र में नई और नवाचारी तकनीकों का उपयोग करने का उद्देश्य है। NEP 2020 के अनुसार, शिक्षा को पाँच क्षेत्रों / स्तरों में वर्गीकृत किया गया है: प्रथम स्तर ; पूर्व-प्राथमिक शिक्षा, द्वितीय स्तर : माध्यमिक शिक्षा, तृतीय स्तर: उच्चतर शिक्षा, चतुर्थ स्तर: शैक्षणिक अनुसंधान और शिक्षण एवं पंचम स्तर: व्यावसायिक शिक्षा है । इन क्षेत्रों में नई नीतियों को अमल करने के लिए नई शैक्षणिक योजनाएं, अद्यतन पाठ्यक्रम, और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। इस नीति का मुख्य ध्येय है कि शिक्षा को एक स्थायी और निष्पक्ष नीति के तहत संचालित किया जाए, जिससे हर विद्यार्थी को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। इससे न केवल शिक्षा के स्तर में बढ़ोत्तरी होगी अपितु

समाज और देश के युवाओं में ज्ञानात्मक वृद्धि एवं राष्ट्रीयता के साथ श्रेष्ठ कार्य करने की क्षमताओं का विकास भी होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सफलता में शिक्षकों की भूमिका

प्रत्येक राष्ट के उज्ज्वल भविष्य की नीव में शिक्षा प्रमुख है । शिक्षा के प्रस्तार एवं उचित प्रयोजन का लक्ष्य युवाओं में सिद्ध करने का पुनीत कार्य एवं दायित्व भी शिक्षकों के हाथों में है । राष्ट्र के प्रत्येक कर्तव्ययस्थ शिक्षकों की गुणवत्ता एवं निष्ठा से सही दिशा में होते नवाचरों से नीतियों के उद्देश्यों की प्राप्ति एवं सार्थक परिणाम प्राप्त होते है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सफलता इसके उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति से सिद्ध होती है । निर्धारित समयसीमा में प्रत्येक बिंदुओं पर शिक्षकों के श्रेष्ठ प्रयासों से सकारात्मक परिणामों की प्राप्ति संभव है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य सिद्धि में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है । एक साधारण शिक्षा विद्यार्थियों को केवल पढ़ाता है, जबकि एक अच्छा शिक्षक अच्छे मानवों को तैयार करता है जबकि एक श्रेष्ठ शिक्षक अपने अपने ज्ञान एवं अनुभवों से परतिभावन एम चरित्रवान नई पीढ़ी का निर्माण करता है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रत्येक शब्द, वाक्य, उद्देश्य, लक्ष्य, परिणाम एवं समयसीमा को स्पष्ट करते हुए प्रत्येक शिक्षकों को अपना श्रेष्ठतम कार्य करना होगा । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान मे रखकर उनके पक्ष में होते कार्यों का स्वरूप इस प्रकार है:

1. वर्तमान समय के शिक्षकों को NEP 2020 के लक्ष्यों, उद्देश्यों और उसके आदर्श वाक्यों को पूरी तरीके से समझ के इसके हर एक पहलू पर सुयोग्य परिश्रम करना चाहिए तथा विभिन्न प्रकार के नवाचरों से युक्त कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भागीदारी के साथ खुद को कुशल बनाना चाहिए।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विषय के ज्ञान का का मूल एवं संबंधित आलोचनात्मक सोच, चर्चा, प्रयोग एवं विश्लेषणात्मक चिंतनक की दिशा में अग्रसर हो इसके लिए शिक्षकों को नवाचार युक्त पद्धतियों का विस्तार करना आवश्यक होगा । नवाचार युक्त पद्धतियों के अंतर्गत सहरी और ग्राम्य परिवेश के शिक्षकों का सशक्तिकरण समय समय पर होना अतिआवश्यक भी है ।
3. वर्तमान समय में ज्यादातर कोर्स को एकीकृत किया जा रहा है, अतः शिक्षकों को एकीकृत कोर्स और बहु-विषयक दृष्टिकोण की अवधारणाओं और 21वीं सदी के कौशल के विकास की आवश्यकता को समझने और इसको अपनाने का पूर्ण प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को जमीनी स्तर पर लागू करते समय, शिक्षको को NEP के हर एक पहलू को ध्यान में रखकर समुदाय के लिए कौशल और चरित्र निर्माण के माध्यम से छात्रों के जीवन को बदलने के लिए पूर्ण सहयोग और प्रेरणा का होना अनिवार्य हो जाता है।
4. मातृभाषा से राष्ट्रभाषा तक शिक्षा का विस्तार एवं बुनियादी जानकारी सरल से विशिष्ट के क्रम में देने के लिए शिक्षकों का भाषाई विकास आवश्यक है ।
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार ज्ञान का व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करके राष्ट्रीय विकास में योगदान देने हेतु विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक पक्ष को समझना एवं शिक्षकों के द्वारा नवाचार युक्त परियोजना कार्यों का निर्माण करना अवशेक होगा तभी ज्ञान का सही उद्देश्य परिपूर्ण हो सकेगा ।
6. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार देश के सभी वर्ग, धर्म, क्षेत्र एवं लिंग के भेदभाव के बिना सभी को शिक्षा प्राप्त हो सके इसके प्रयास करने आवश्यक है । इसके लिए तकनीकी प्रयोग एवं जागरूकता का व्याप विस्तृत हो सके इसके प्रयास सभी शिक्षक करेंगे तो श्रेष्ठतम परिणाम की प्राप्ति हो सकेगी ।
7. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा की स्वतंत्रता एवं रुचि के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने के जो अवसर प्रदान किए गए है इसकी अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं तक उपलब्धता की जानकारी एवं ग्राम्य परिवेश में पूर्ण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करने होंगे ।
8. बदलते समय के साथ शिक्षकों के ज्ञान, पद्धति, विचार एवं प्रयासों में भी परिवर्तन आना आवश्यक है और इसमे प्रौधोगिकी का समन्वय होगा तभी संभव है ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य एवम् लक्ष्य (2030 तक)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी जिससे स्कूली और उच्च शिक्षा दोनों क्षेत्रों में बहुत बड़े पैमाने पर बदलाव एवम् सुधार के रास्ते खुल गए हैं। यह 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है जो की पूरे 34 साल बाद NEP -1986 के बाद आई है। सबके लिए आसान पहुंच, इक्विटी, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित यह नई शिक्षा नीति सतत विकास के लिए एजेंडा 2030 के अनुकूल है और इसका उद्देश्य 21वीं सदी की जरूरतों के अनुसार प्राथमिक, उच्च तथा उच्चतम शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला बनाते हुए भारत के आने वाली युवा पीढ़ियों को एक ज्ञान आधारित जीवंत जिसके द्वारा समाज में बदलाव और सुधार और ज्ञान को वैश्विक महाशक्ति में बदलना तथा प्रत्येक छात्र में छिपे व्यक्तिगत भिन्नताएं एवम् क्षमताओं को सामने लाना है। इसके कुछ उद्देश्य निम्न हैं-

लचीलापन

NEP 2020 में यह बोला गया है की शिक्षा प्रणाली को लचीला बनाया जाए ताकि छात्र अपने अनुसार विषयों का चयन बिना किसी डर के कर सकें और अपने रुचि अनुसार आसानी से सफलता प्राप्त कर सकें।

समान शिक्षा

सभी को समान शिक्षा मिले इस बात पर NEP 2020 में काफी ज्यादा फोकस किया गया है, जो की बिना किसी भेदभाव के धर्म, जाति, रंग, लिंग, आदि चीजों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, कोई कोई अध्यापक या कोई छात्र किसी भी प्रकार का भेदभाव न कर सके।

मातृभाषा से जोड़कर शिक्षा

छात्रों को उनके मातृभाषा से जोड़कर उसी भाषा में शिक्षा देनी चाहिए जो की विद्यार्थियों को उनका विषय समझने में काफी ज्यादा मददगार होगा और वो आसानी से अपने विषय को समझने में सक्षम हो पाएंगे।

नवीन तकनीकी का प्रयोजन

NEP 2020 में इस बात पर जोर दिया गया है कि वर्तमान समय की शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा तकनीकी से जोड़कर प्रस्तुतीकरण किया जाए ताकि विद्यार्थियों को भविष्य में उच्च शिक्षा प्राप्त करने एवं रोजगार संबंधित क्षेत्रों में अधिक अवसर प्राप्त हो सके ।

दैनिक जीवन से संजस्य स्थापित करना

NEP 2020 के अनुसार बच्चों को उनके आसपास दैनिक जीवन में जो चीजें घटित हो रही हैं उससे जोड़कर शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि छात्र अपने दैनिक जीवन से जोड़कर पढ़े इस प्रकार उनको समझने में काफी ज्यादा सहायता मिलेगी, हमारे दैनिक जीवन में बहुत सी ऐसी घटनाएं आए दिन होती रहती हैं जिनको शिक्षा के साथ जोड़कर पढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षकों की स्थिति एवं भूमिका

शिक्षा के विकास में शिक्षकों की भूमिका पुरातन काल से ही रही है, मगर वर्तमान परिवेश में अनुशासन एवं संस्कार की स्थापना के लिए बच्चों के जीवन में शिक्षकों की अहम भूमिका रही है। वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षा में नए विषयों को सम्मिलित करते हुए विद्यार्थियों का विकास करना प्रारंभ हुआ है क्यू की कहीं न कहीं सम्मान, आदर, सत्य, लालच, राष्ट्रीयता की भावना एवं संवेदना जैसे मूल्यों को प्रबहवित होते देखा जा सकता है । गुरु का सम्मान भी वर्तमान समय में पुनः स्थापित करने एवं गुरु की भूमिका का परिभाषित करने की आवश्यकता है । शैक्षिक सेवा से जुड़े शिक्षकों का ग्राम्य परिवेश या शहरी परिवेश के आधार पर स्थिति का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है । शिक्षक के पक्ष एवं उनकी आवश्यकतों को केन्द्र में रखकर आकलन करने पर प्रतीत होता है की की क्षेत्रों में शिक्षकों के सशक्तिकरण की तिर्व अवशेकता है तभी यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफलता निर्धारित समयसीमा तक अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगी । वर्तमान समय में की विद्यालयों के शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पूर्ण जानकारी की अभाव में पुराने तरीकों से शिक्षण कार्यों में व्यस्त है । ऐसे ही एक विद्यालय जो महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित है "रातनिबाई माध्यमिक विद्यालय" जहां शैक्षिक गतिविधियों में कोई बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रत्यकक्षित होता प्रतीत नहीं हो रहा । बहुआयामी दृष्टिकोण से युक्त शिक्षकों में इतनी गंभीरता या तत्परता प्रतीत नहीं हो रही । उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर जिले में स्थित मदरसा कादरिया फैजाने राजा नेबुहवा मे शिक्षण संबंधी गतिविधियों के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेके सामान्य जानकारी से भी शिक्षक अनभिज्ञ थे । यहा उर्दू एवं अरबी भाषा के ज्ञान के साथ गणित और विज्ञान की शिक्षा दी जाती है लेकिन शैक्षिक तकनीकी के प्रयोग का कोई भी साक्ष्य प्रतीत नहीं हो पाया । बिहार राज्य के सिवान जिले नमे बड़हरिया प्रखण्ड में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्यापकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेके जानकारी तो है लेकिन इसके प्रयोग एवं संचालन हेतु मार्गदर्शन की प्राप्ति नहीं होने के कारण नवाचार का प्रयोग करने में असमर्थ है । उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित माता प्रसाद जायसवाल इंटर कॉलेज में कार्यरत शिक्षकों से हुए संवाद एवं जानकारी प्राप्त करने हेतु पूछे जाने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की जानकारी तो है परंतु विस्तृत जानकारी का अभाव प्रतीत हुआ । कॉलेज के शिक्षकों से संवाद के अंतर्गत अन्य जानकारी प्राप्त हुई की एनसीईआरटी के पुस्तकों के प्रयोग करते हुए पुराने तरीकों से ही कक्षगत शिक्षण कार्य पूर्ण करने की स्थित बनी हुई है । देश में लागू हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर दृढ़ एवं सुनियोजित कदम उठाने की अत्यंत आवश्यकता है । इसीलिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सार्थकता में शिक्षकों का योगदान क्या रहेगा और लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षकों के सशक्तिकरण की आवश्यकता क्यों है यह समझना जरूरी है ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP- 2020) की सफलता में शिक्षकों का योगदान एवं सशक्तिकरण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) भारतीय शिक्षा प्रणाली के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस नीति में, शिक्षकों की भूमिका और योगदान को महत्वपूर्ण माना गया है। शिक्षकों को छात्रों के नैतिक, सामाजिक, और भौतिक विकास में सहायक बनाने का दायित्व सौंपा गया है। नीति का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता को सुनिश्चित करना, छात्रों के लिए समान अवसर संरचित करना, और शिक्षा प्रक्रिया में सुधार करना है। इस नीति के द्वारा समाज में फिर से शिक्षकों को सम्मानित सदस्य के रूप में स्थान मजबूत करने के साथ गुणवत्ता, जवाबदेही, गरिमा और स्वायत्तता स्पष्ट करना है ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्धारित लक्ष्यों को वास्तविक धरातल पर उतारने का कार्य शिक्षकों के पक्ष में ही आया है । शिक्षकों का योगदान इस नीति में विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, मूल्यों का हस्तांतरण, तकनीकी का शिक्षा में प्रयोग, नामांकन में वृद्धि, रोजगार प्राप्ति हेतु बुनियादी शिक्षा का का ज्ञान, राष्ट्रीय भवन का विकास, स्वस्थ प्रतियोगिता के साथ श्रेष्ठ नागरिक बनाने का उद्देश्य सिद्ध करने के लिए दायित्व है । पहले, नीति ने शिक्षकों के लिए उच्च शैक्षिक स्तर और पेशेवर विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया है। इससे शिक्षकों को नवीनतम शिक्षा विधियों, तकनीकों, और संसाधनों का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त होता है, जो उन्हें अद्यतन और अग्रगामी बनाता है।

दूसरे, नीति ने शिक्षकों के लिए स्थिरता और संवेदनशीलता के साथ काम करने के लिए एक अनुकूल और सहायक वातावरण सुनिश्चित किया है। इससे शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य और प्रभावी शिक्षा क्षमता में सुधार होता है। तीसरे, नीति ने शिक्षकों को छात्रों के संज्ञान, बुद्धि, और व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लिए संबोधित किया है। इससे शिक्षक छात्रों के साथ अध्ययन के प्रक्रिया में सहयोग करते हैं और उन्हें नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारियों, और विज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समृद्धि की शिक्षा प्रदान करते हैं। सम्मान, समर्थन, और प्रोत्साहन के माध्यम से, भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षकों को समृद्ध और सक्रिय शिक्षा क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इससे शिक्षा प्रणाली में सुधार होता है और बच्चों के भविष्य के लिए समृद्धि और सामाजिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त होता है।

शिक्षकों के दायित्व एवं कार्य के महत्व को ध्यान में रखकर यह आवश्यक हो जाता है के समय के बदलते परिवेश में शिक्षकों का सशक्तिकरण होता रहे । राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ)-2005, शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफटीई) 2009, और शिक्षा का अधिकार आदिनीयां के साथ शिक्षा प्रणाली में छोटे कदमों के साथ बदलाव की शुरुआत की । वर्ष 2012 में न्यायमूर्ति वर्मा आयोग के मार्गदर्शन को ध्यान में लेने पर शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर बाल देने के सुझाव को मानव संसाधन मंत्रालय ने वर्ष 2014 में बी.एड. कार्यक्रम में बदलाव करते हुए 2 वर्ष का कर दिया । शिक्षकों के सशक्तिकरण की दिशा में प्रारंभ से अधिक बाल देते हुए वर्तमान में चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) को लागू कर दिया है । शिक्षकों के समग्र विकास के लिए बहुआयामी पृष्ठभूमि तैयार करते हुए योग शिक्षा, आईसीटी, मूल्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा जैसे विषयों के महत्वपूर्ण पक्ष को सम्मिलित किया गया है । साथ ही बहु विषयक विश्वविद्यालयों और संस्थानों में मनोविज्ञान, दर्शन, विज्ञान, कला, भाषा जैसे विभागों के साथ समिश्रण से शिक्षा विभाग स्थापित करते हुए वर्ष 2030 तक शिक्षक शिक्षा संस्थान में बदलना लक्ष्य रहेगा । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को निर्धारित समयसीमा में हासिल करने के लक्ष्य के साथ शिक्षणों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनपीएसटी) के विभिन्न चरणों में विशेषज्ञता, क्षमता, अनुभव एवं आवश्यकता के अनुसार शिक्षकों की अक्षणशाओं को पूरा करने किया जाएगा । इन प्रयासों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सफलता में शिक्षकों की विशेषज्ञता का विस्तार, सामाजिक-मनोवैज्ञानिक समझ, शिक्षण में नई विधियों का ज्ञान एवं प्रयोजन, प्रयोधयोगिकी के प्रयोग एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता से नवाचार की दिशा में सोच के साथ मिश्रित प्रणाली से ज्ञान के आदान प्रदान में स्वतंत्रता प्राप्त होगी । शिक्षक सशक्तिकरण के सुनियोजित प्रयासों से प्रारंभ से ही शिक्षकों को अपनी क्षमताओं से अवगत कराए जाने पर अपने श्रेष्ठ प्रयासों से निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति संभव हो सकेगी ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का शिक्षकों पर प्रभाव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को पुनः प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शिक्षकों के लिए इस NEP का प्रभाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नई नीति उनके काम और जिम्मेदारियों में बदलाव लाने का लक्ष्य रखती है। पहले से ही शिक्षकों के पास अधिकार और स्वायत्तता की कमी महसूस होती थी। NEP 2020 इस समस्या को समाधान करने का प्रयास करती है और शिक्षकों को अधिक स्वतंत्रता और निर्णय लेने की स्थिति प्रदान करती है। इसने उन्हें अधिक शिक्षा प्रौद्योगिकी, नई पाठ्यक्रमों और विभिन्न शिक्षा माध्यमों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षकों के लिए उन्नत विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रस्ताव किया है। यह शिक्षकों को नई विचारों, प्रौद्योगिकी, और शिक्षण प्रणालियों के साथ अवगत कराने का लक्ष्य रखता है। इसके अलावा, NEP 2020 शिक्षकों को स्कूलों और कॉलेजों के अध्यापन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। इस नीति ने शिक्षकों को नौकरियों के लिए बेहतर और न्यायसंगत मानकों की अपेक्षा करने के लिए भी प्रेरित किया है। इसने शिक्षकों के वेतन में सुधार के लिए स्वर्ण विधि का प्रस्ताव किया है, जिससे शिक्षकों के आदर्श और उत्साह को बढ़ाया जा सके। इसके अतिरिक्त, NEP 2020 ने शिक्षकों को छात्रों के विभिन्न आवश्यकताओं और रूचियों को समझने और उन्हें उनके विकास में मार्गदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया है। सम्मिलित, NEP 2020 शिक्षकों को एक नया दृष्टिकोण और संजीवन देने का प्रयास कर रही है। यह नीति शिक्षकों को एक अद्यतन, अधिक प्रेरित और निरंतर शिक्षा प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रही है, जो उन्हें श्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रेरित कर रही है।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वैश्विक स्तर पर भारत के शिक्षा क्षेत्र में अकल्पनीय श्रेष्ठ परिणाम प्राप्ति के लिए निर्मित की गई है । देश का पराएक व्यक्ति अपनी स्वतंत्रीत अनुसार ज्ञान प्राप्ति के अवसर एवं क्षमताओं का विकास करने में कोई बाधा नया आए । देश में शिक्षा में समय परिवर्तन के अनुसार एवं राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार शिक्षा में आवश्यक बदलाव हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अपने उद्देश्यों की पूर्ति राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा अपनाए गए बहुआयामी दृष्टिकोण से शिक्षक शिक्षा को पुनर्जीवित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । शिक्षा शिक्षा से शिक्षक अपने श्रेष्ठतम प्रयासों को आकार दे सकेगा । इन प्रयासों के माध्यम से भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में देश वैश्विक स्तर पर ज्ञान का गुरु बाँके विश्व को नई दिशा दिखने में अपना उत्तम योगदान दे सकेगा ।

संदर्भ

- Retrieved from, https://www.entab.in/importance-and-benefits-of-the-national-education-policy.html
- Retrieved from, https://haryanarajbhavan.gov.in/hi/नई-शिक्षा-नीति-के-क्रियान/
- Retrieved from, https://ijcrt.org/papers/IJCRT2009211.pdf
- Retrieved from, https://www.youthisthanfoundation.org/post/reimagining-the-role-of-a-teacher-in-the-context-of-the-national-education-policy-2020
- सारंगी. एस, (2022). योजना: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, पृष्ठ 15,16
- खान, के., खान, डब्ल्यू., हयात, वाई., अहमद, एसएम, और रज़ा, केके (2020)। विद्यार्थियों का एक तुलनात्मक अध्ययन' और इंटरमीडिएट स्तर पर अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकों के बारे में शिक्षकों की धारणा और छात्रों को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका' अंग्रेज़ी मेंमहारत। भाषा विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(2) राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020
- सानली, ओ. (2020). स्मार्ट बोर्ड के प्रभावों पर अंग्रेजी भाषा के शिक्षकों की राय का विश्लेषण कक्षा कक्ष प्रबंधन पर. शैक्षिक विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन जर्नल. 12(2)
- NEP -2020 के उद्देश्य एवम् लक्ष्य (2030 तक) (pib.gov.in)